THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO. BB—1971—

293-160

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

IASWR

MICROFILM PROJECT MBB

MBB – 1974 293
1. Film strip number

74
2. Source

GURUBAÑA
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

NEWARI
8. Script

16 cm. x 7 cm.
9. Size

5
10. Lines to a page

44
11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

15. Remarks

Tantric (magical practice)

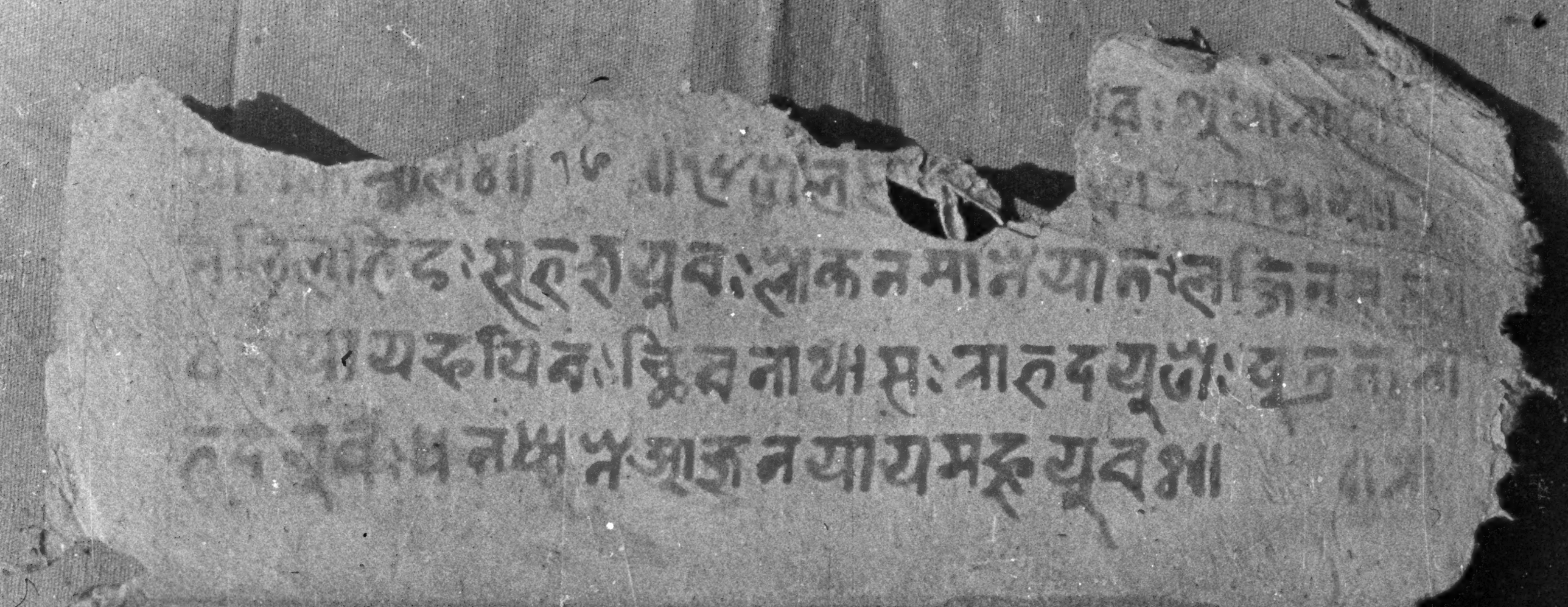

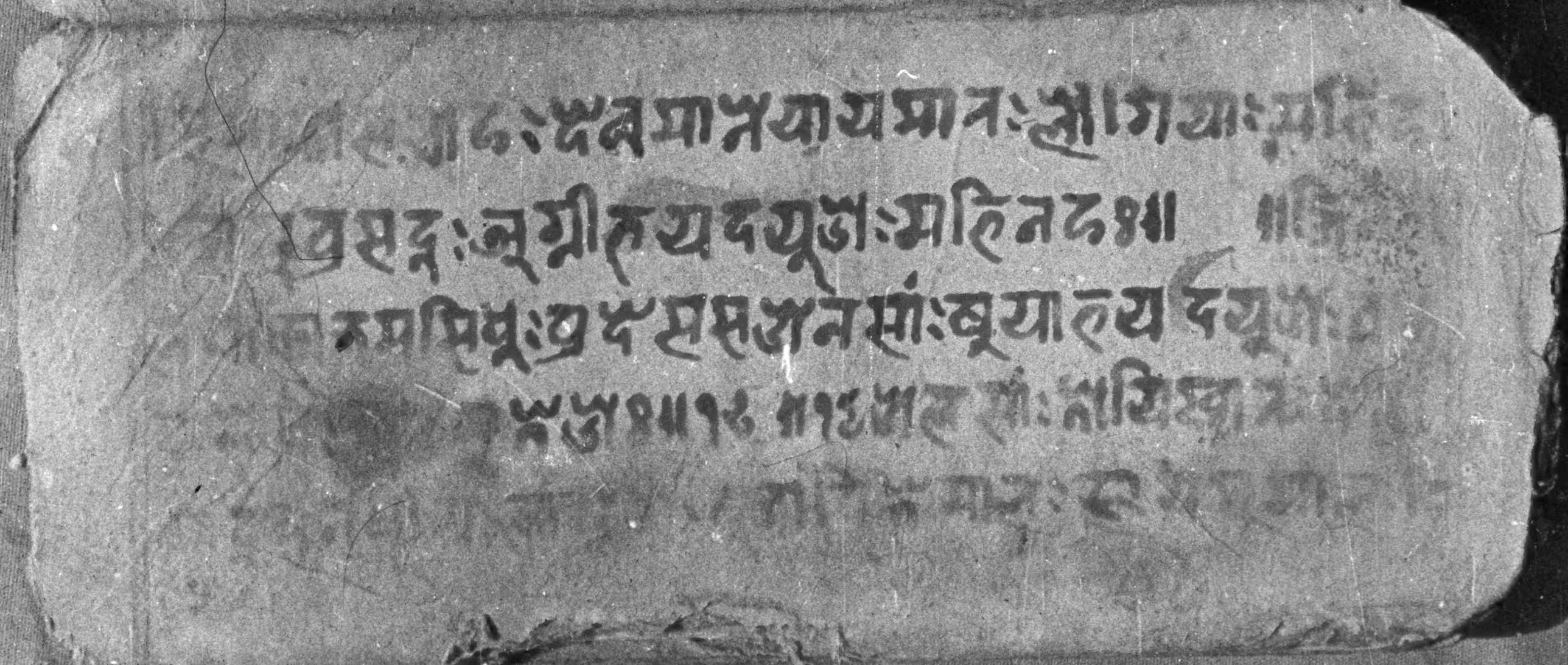

७ [illegible]

[illegible] ः अश्री [illegible] याः [illegible] माहि [illegible] ॥ २१ [illegible]

[illegible] यः त्रि [illegible] सहित [illegible] यूता ॥ [illegible]

[illegible] थिमिथि [illegible] याजः [illegible] सांनः [illegible]

ः अप्रि [illegible] पा [illegible] ः [illegible] यद यूजः [illegible] माहिनद्रा या ॥ २२

१९ नभागारिष्टसुहोत्रनमः लक्षणतयाअलक्कृतिसुनि
क्षःमरुत्तोःधृष्टाःमलवःनृगादापूःलाताःसयतःश्रद्धविधाते
दाय १ ■ नयधातथःशितद्युःलवंदलक्कृतिःप्रथुःथ नय
यातःलक्षणतया॥ २ ॥वयूधातयाथःखलदःजायतिःशुनय
दृषद्यानपूःलाताःसुमिःकलपूःनाभागपूःमिकसियापूःधृत
तातयावःकवःविकनषूनःवयूधातयाथ॥ ३ ॥संयक्षदयाथ

राजन्नरेन्द्रसिंहः भारसुधर्मदानयनः भेमसिंहो यो
यशसा कवीन्द्रः शयलः कपूलः कमुकः यशा पुरुषाशयनः
लक्ष्मिसिंहो [illegible] गंगसिंहो [illegible]
सिंहः प्रहरः सिंहः [illegible]
[illegible]
[illegible]

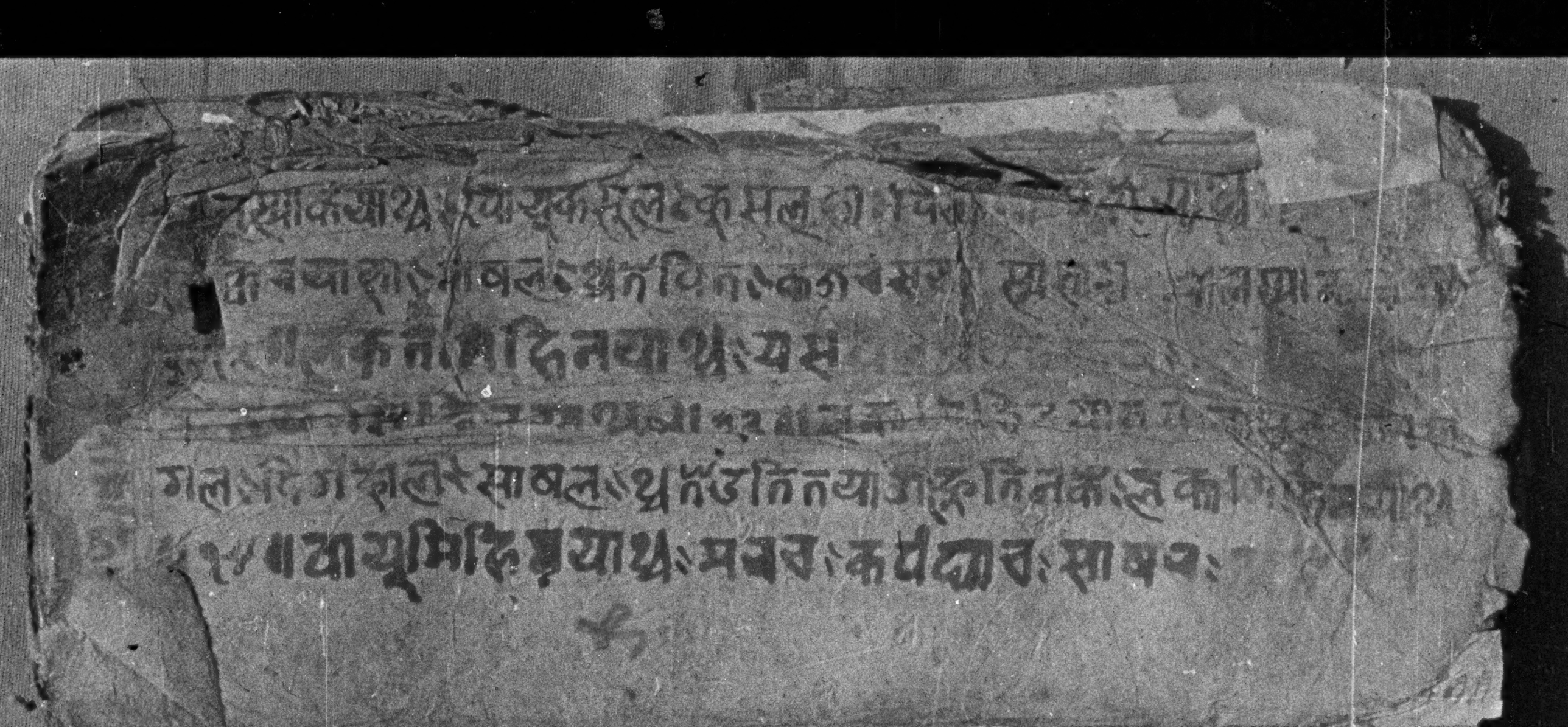

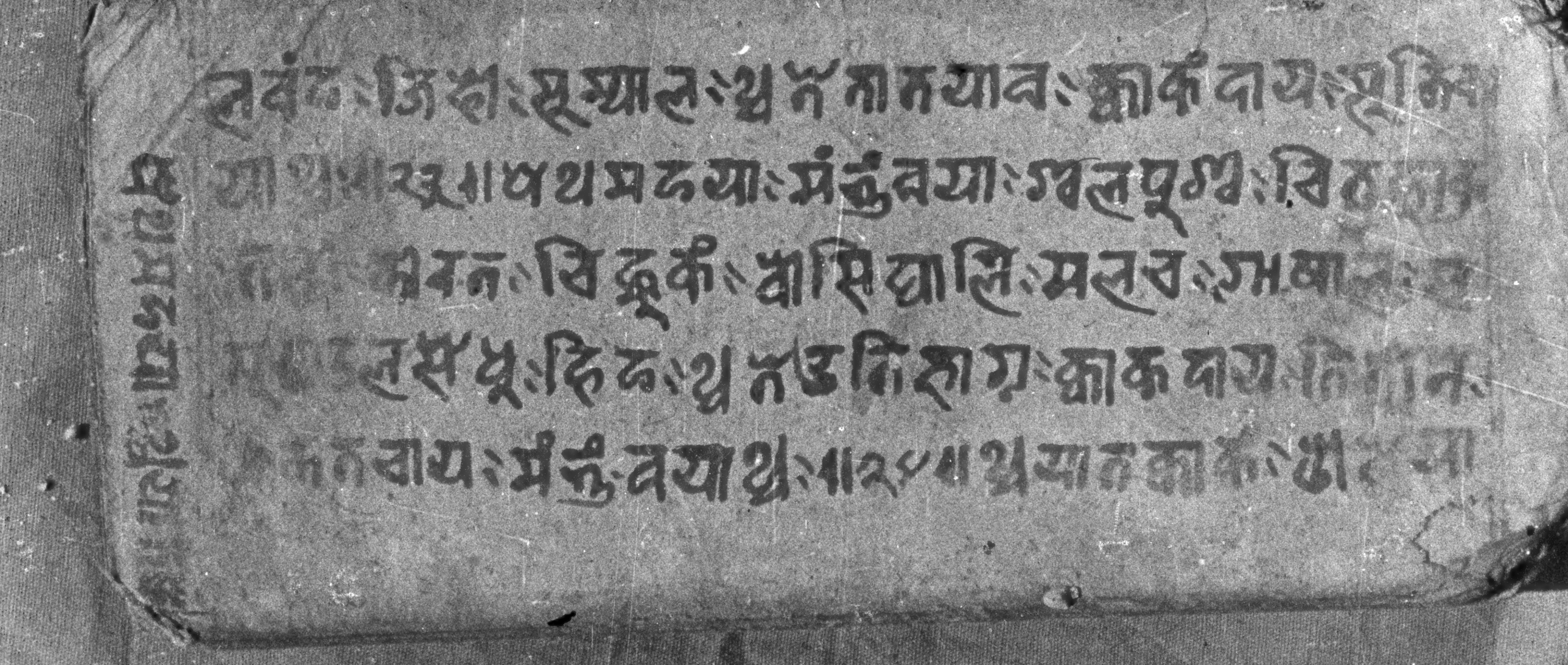

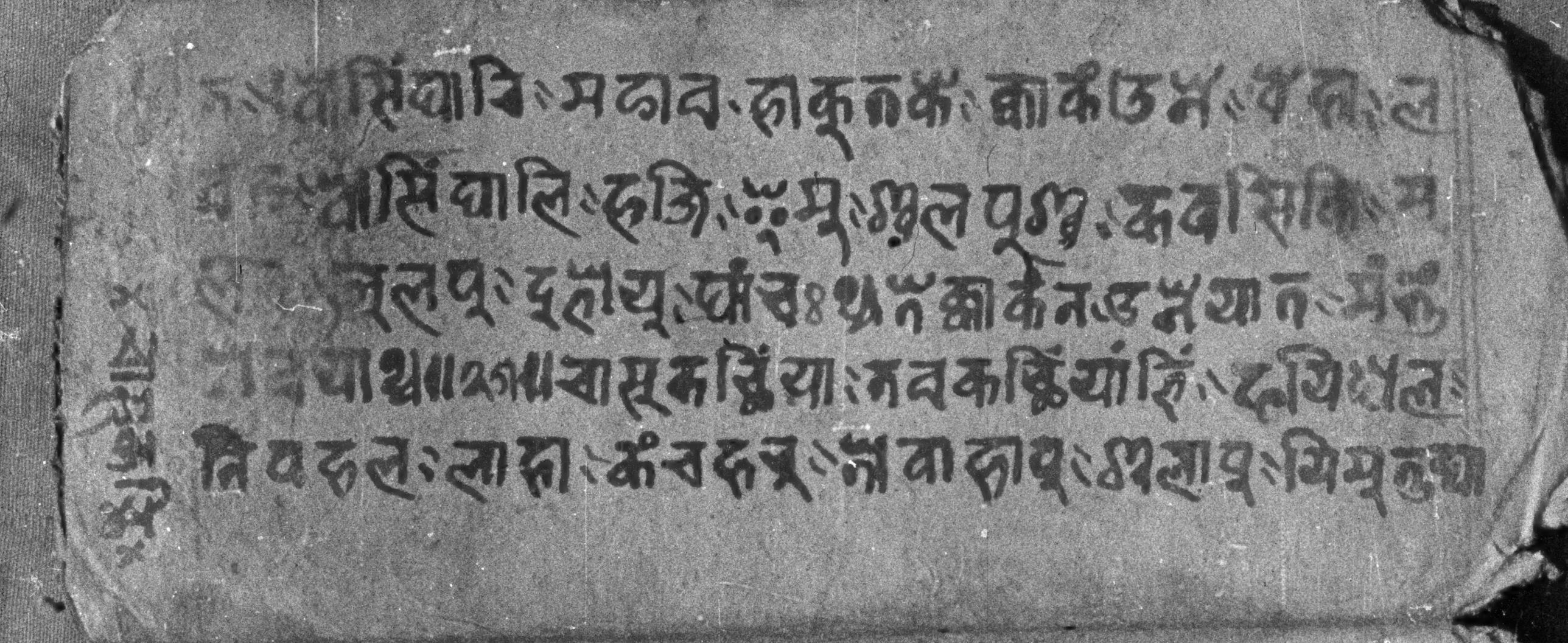

साङ्गविधिकनाथा॥२६॥शुक्लमिदिनयाःकिंशियाधावृद्धे
भनूरयामरुसाक्लोःभ्रूयाद्धःकासायाद्धःसत्याक्षलःया
रुसयाःकःचचकाचिकंनसंबुनसुकलमिदिनयाथा२८॥
गसयालयाःभ्रिदयंकंःकुत्रियाःभ्रंक्षलःखालूःदुक्षलान
याकलःसध्रःभ्रिदयंकयानथा३०॥लासाक्रंकयानःसं

सर्वेऽप्याययुः ॥ २१ ॥ आत्मसंभाविताः स्तब्धा धनमानमदान्विताः ।
यजन्ते नामयज्ञैस्ते दम्भेनाविधिपूर्वकम् ॥ २२ ॥ अहंकारं बलं दर्पं कामं क्रोधं च संश्रिताः ।
मामात्मपरदेहेषु प्रद्विषन्तोऽभ्यसूयकाः ॥ २३ ॥ तानहं द्विषतः क्रूरान्संसारेषु नराधमान् ।
क्षिपाम्यजस्रमशुभानासुरीष्वेव योनिषु ॥ २४ ॥ आसुरीं योनिमापन्ना मूढा जन्मनि जन्मनि ।
मामप्राप्यैव कौन्तेय ततो यान्त्यधमां गतिम् ॥ २५ ॥ त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः ।
कामः क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्त्रयं त्यजेत् ॥ २६ ॥ एतैर्विमुक्तः कौन्तेय तमोद्वारैस्त्रिभिर्नरः ।
आचरत्यात्मनः श्रेयस्ततो याति परां गतिम् ॥ २७ ॥ यः शास्त्रविधिमुत्सृज्य वर्तते कामकारतः ।
न स सिद्धिमवाप्नोति न सुखं न परां गतिम् ॥ २८ ॥ तस्माच्छास्त्रं प्रमाणं ते कार्याकार्यव्यवस्थितौ ।
ज्ञात्वा शास्त्रविधानोक्तं कर्म कर्तुमिहार्हसि ॥ २९ ॥ ॐ तत्सदिति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां
योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे दैवासुरसम्पद्विभागयोगो नाम षोडशोऽध्यायः ॥ १६ ॥

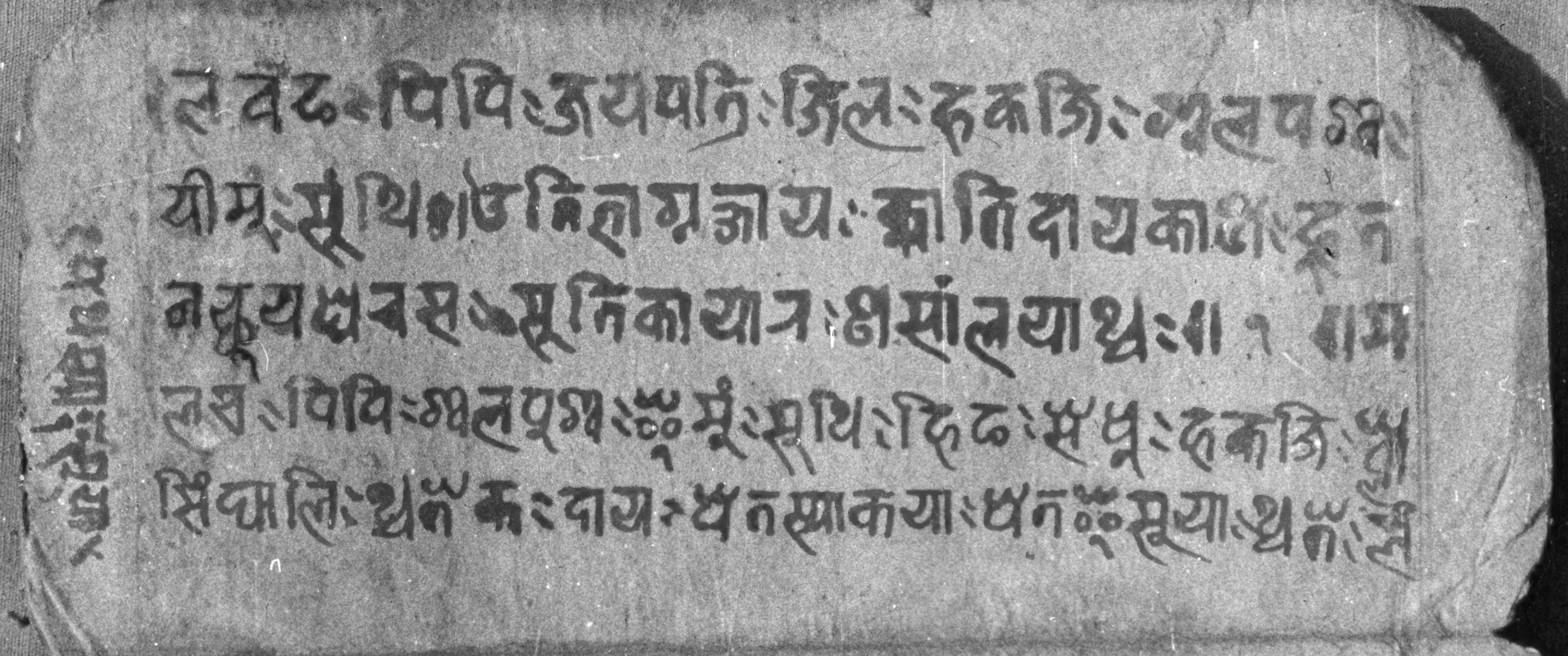

षङ्गसखीलानं सुखीलाः नांकशा २ ॥अथ नंमञ्जिलसाः नी
थ्यः दलः पिपिः वृद्धयाः वः ष्ठिनः दूदुसङ्गायः दनं
हृनथियः मलविद्यावकयः थ्नं क्काथयेयाः वासलः
लोला ग्यलंशा ३ ॥किंमियाः कमुः कपुः फलादाधिलः पशु
पुः नकाः रक्षा इंलंबसन्धिदाताः नांनशा ४ ॥किंमियाः नीक्ष

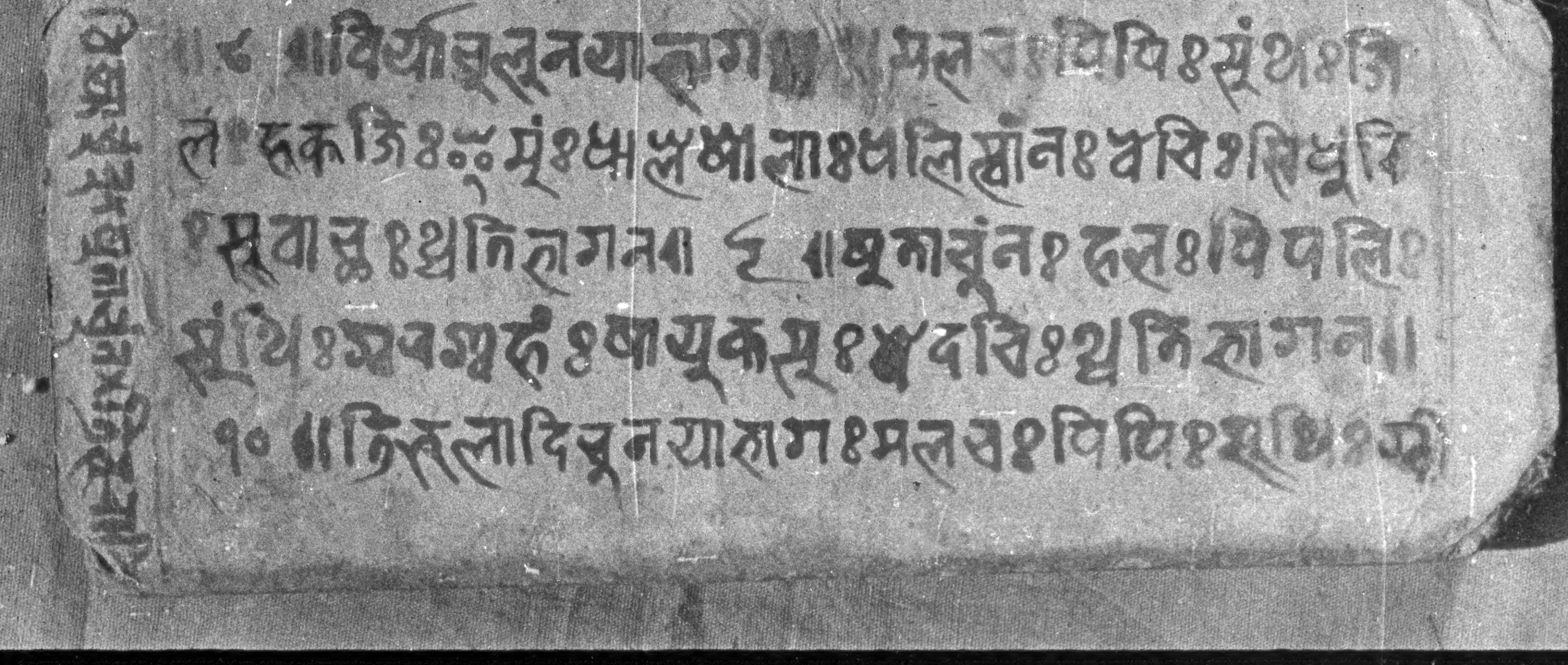

मृ॰ दल॰ धवि॰ सिधू॰ वि॰ सित क्ष॰ विपला मू॰ वैशिधा
लि॰ त्रि॰ स्त्रीनाथ निसंगनवा ११ ॥ श्री पति॰ मत्र॰ चंगसं
ग्रहँ॰ लत॰ दि॰ ठ॰ सोमवा॰ त्र॰ लब॰ रे॰ ते॰ स्त्री॰ नौ॰ नेक॰ ठ॰ जे॰ ज्यों॰
वा॰ सल॰ थ॰ रु॰ ल्लो॰ वा॰ १२ ॥ शाबल॰ बृ॰ नाथाल॰ ग्र॰ मत्र॰ व॰
॰ ग्वल॰ ह॰ ॰ वा॰ ब॰ न॰ ल॰ ष॰ त॰ से॰ ल॰ न॰ क॰ ॰ न्न॰ ज्या॰ वा॰

पिपि॰सुंठि॰ज्या॰शि पल्लां॰शि॰नकु॰कूरस
ख॰ख॰मं॰क॰लवं॰क्षार॰यला॰शि पि॰चूर्न॰मा लिसा॰न॰
गजपिपि॰कुस॰का॰लूपकं॰स॰कजिन॰ग सर्वनेत्रे
१२ ॥आलया॰चूर्न॰ना सलया॰लगु॥लूपकं॰स॰श्रीषंडकन
कुस॰का॰ष्पा यूकसू॰ग॰क्षा॰दं॰याला॰जि॰ल॰लवं॰क्षा॰य

अस्थानःस्थूलिा१४वादिविस्रयमालयाःवासस्रग्वीद
यालप्यलिसांनःमूलाःलसकिंःसिञ्जिलस्ःमूढ
रुग्रवःथूनिउनिहाग्न१७वाध्यासयाहाग्रः तमा
सःकूसकाःक्रुष्टयाकृगिःचंदसिंःनगमूथ गथज
नेकिविकंनसयूनःनशंखाद्रयागःथूनिहाग्रःन१८

१कुंकुमगलरंदन हीजय
त्रसश्रीयावा थवद्भसनय
नाङ्गनवनसांमप्राजश्लो
कानूमज्ञय कश्लोकाल
ंनसंनंथवद्भसतयावश्य
॥श्लोक॥

१कुंकुम गलरंदनमिहागन
हीनसश्रीयः श्लोकपूनसक
स्यावनमनमवनम्बु
यानसा सवकश्लोकथव
नलज्ञश्लवश्थवत्रश्रीयनं
॥श्लोक॥

ॐ नमो वृक्ष ओ क्ष सिध्य वः हृय माल लाः अपूर्व दिग्
स्थ श्री ओः सैमल आगिक कनिजा नथा नून कलमैन्नू
नथा वृक्षाय लाथ साथा धनि दिअः धनि लागय दुख दि
अः मज्ज कैला गय ः पलूष दिअः जूस लिला गय जूस नि
दिअ पूरूष ला गय ः गाजि दीअ वक्रि याला गय ः हसि

दिङ्मंडल स्वाहा ॐ आग्नेयदिङ्मंडल स्वाहा ॐ
दक्षिणदिङ्मंडल स्वाहा ॐ नैर्ऋतदिङ्मंडल स्वाहा ॐ
पश्चिमदिङ्मंडल स्वाहा ॐ वायव्यदिङ्मंडल स्वाहा ॐ
उत्तरदिङ्मंडल स्वाहा ॐ ईशानदिङ्मंडल स्वाहा ॐ
ऊर्ध्वदिङ्मंडल स्वाहा ॐ अधोदिङ्मंडल स्वाहा ॐ
सर्वदिङ्मंडल स्वाहा ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे देवा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे नागा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे यक्षा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे राक्षसा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे भूता मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे पिशाचा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे प्रेता मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे डाकिन्यो मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे शाकिन्यो मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे ग्रहा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे भैरवा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे वेताला मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे क्षेत्रपाला मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे दिग्पाला मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे नवग्रहा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे नवदुर्गा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे अष्टमातरो मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे चतुःषष्टियोगिन्यो मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे द्वात्रिंशद्भैरवा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे दशमहाविद्या मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ २९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ३९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ४९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ६९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ७९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ८९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ९९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १०९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १११ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ ११९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १२९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १३९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १४९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १५९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १६९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १७९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८२ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८३ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८४ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८५ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८६ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८७ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८८ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १८९ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १९० ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स्वाहा ॥ १९१ ॥ ॐ नमो भगवते
त्रैलोक्यनाथाय किङ्करा इव सर्वे सप्तकोटिमन्त्रा मम
वशमायान्तु स

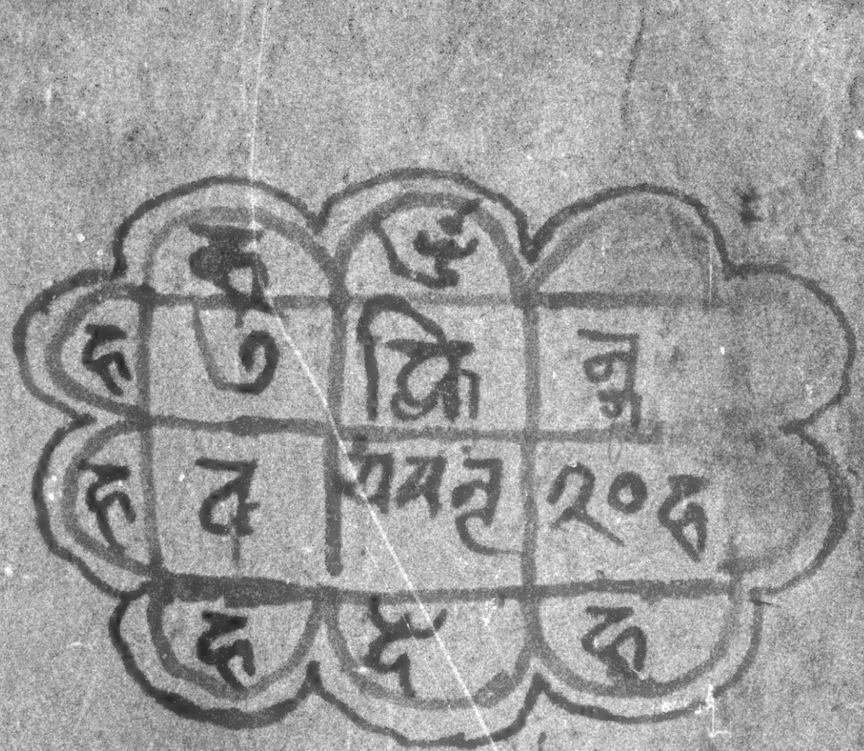

कुंकुम मंगल चंद्रनको
अपन सचायाऽऽ ऽऽस
नाथ करुना मय मगमकथा

ज्ञानदर्शनमसिनःकुर्वन्
मःऽऔषद्रःऽअगदकरःवा
ःऽक्षोत्तासनयःथवा
तथाहिःऽथदमिदि
मलक्ष्मश्लोक४ःऽ१॥

२कुऽमङ्गलचंद्रवर्मनःकपू
लःऽकमुलःऽथंऽसजलगधा
यानःऽथर्जनवायःऽभवद्वा
जुवावायायमङ्गलगन
अनसांशिनंशयूसूजगा

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं
वास्तु देवाय

इक्ष्वाकु दिक्क्रमात्

शिखि पर्जन्य जयन्ता

१०	७	२	१
१३	१५	५	६
४	३	११	८
१६	१४	९	१२
ज्ञा	अ	ज्ञा	ज्ञ

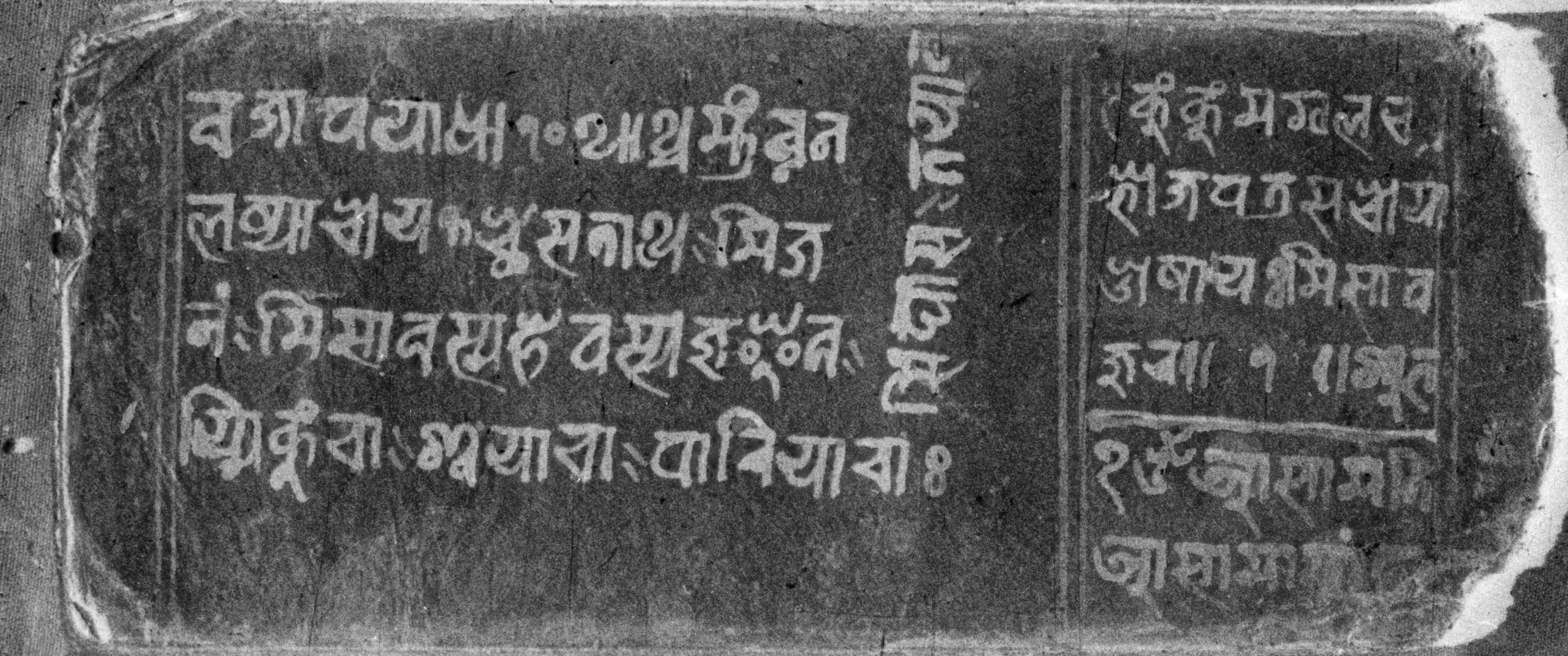

ॐ
रक्तकुंकुमचंद्रगलसंमिसि
कपूरलाजयत्रसंचय
सप्तरचयद्रुनभ्रमि
सायत्रलक्ष्म॥ १ ॥श्रीः
श्रीमिश्रजलाथस्त्री

रक्तकुंकुम कपूरलसच्छ्री
यःलाजकुसंचयं दध
मिसाया कुसंचकपा
यकैलथ श्रीकवथनत्व
सुदयत्व कुंचलक्ष्म

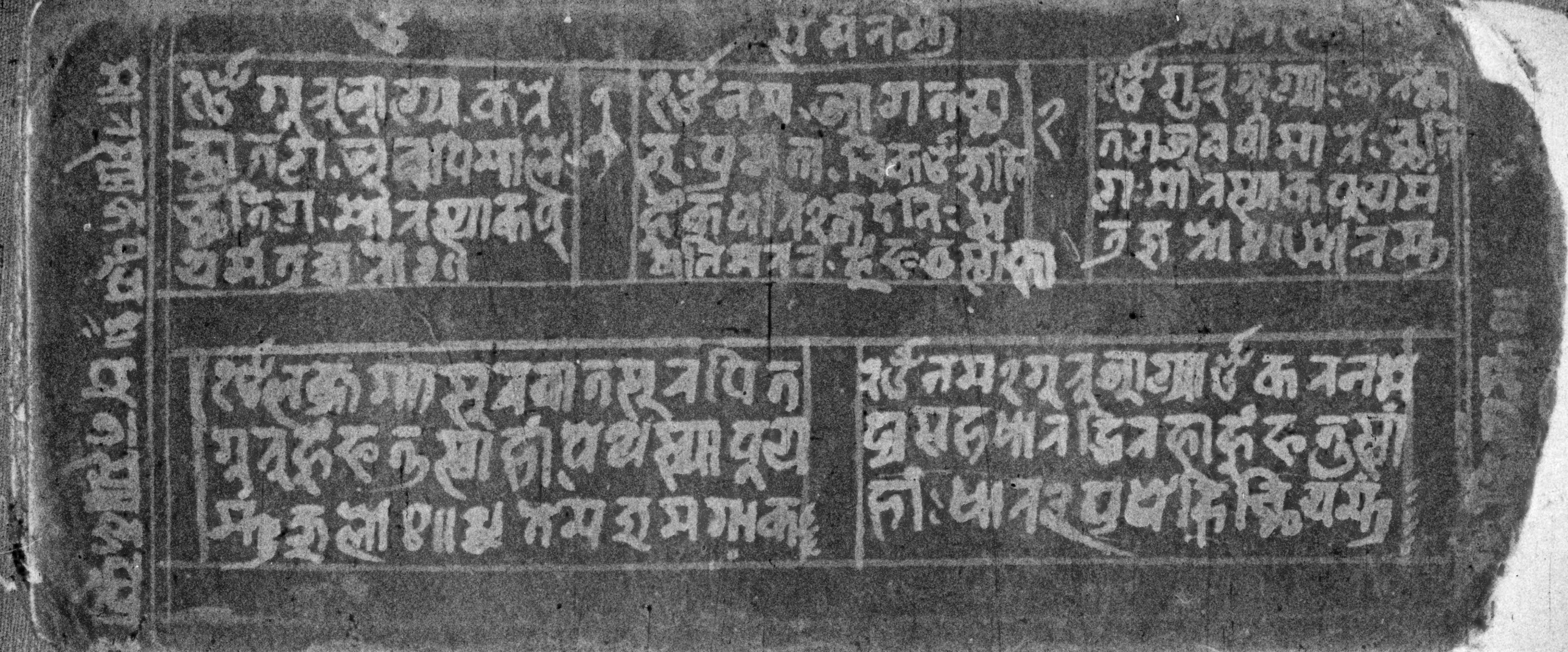

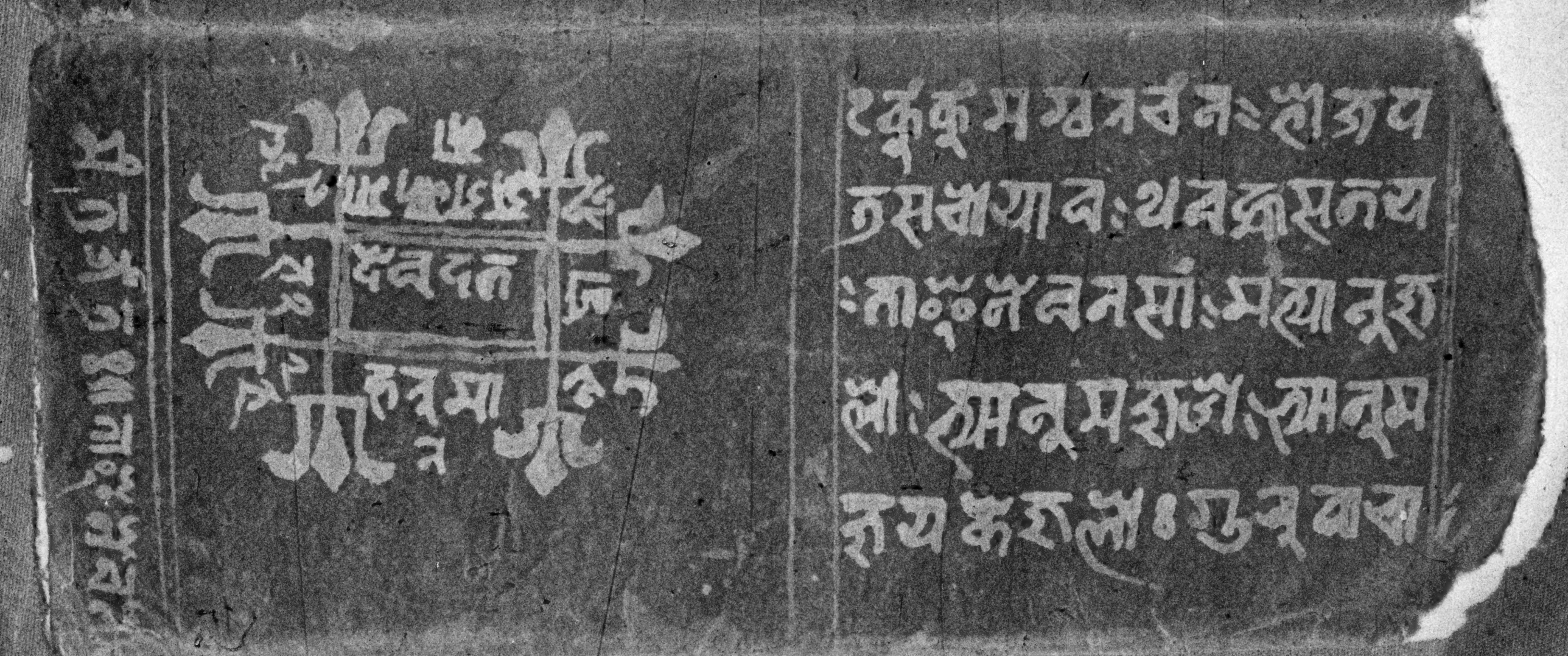

कुमुद्व	जला	मद्व	
१	१	२	
लसक्क	जला	लस	
८	७	३	
मद्व	मद्व	कुमुद्व	
२	६	४	

कुंकुमपङ्कलिप्तकुचकुम्भ-
पत्रसनाथकुसुमसनाथ-
सान्द्रपरिमलमिश्रितकेश-
यामलद्युतिनिशासखीना-
मग्रतो नवनवस्थितिम्
वृत्तवान्स्मरजलाजिनेत्रः

ॐ नमसिद्धि गन सायन्नमः सिद्धि वायसाय नमः सर्व वायस
यः जयदेव वायसाय नमः जय वायसाय नमः पूर्व दिसाय नमः
उत्तर दिसाय नमः दक्षिन दिसाय नमः पश्चिम दिसाय नम
कुला वावायु वायव्य दिसमान काली कालिका मदन नाका
थ्रीं क्लीं नमः समानया कुलल कुलजना वावकिव कं मि
साया नमः नू गल मक्कि नक्कः मा सिदयुवः थवसद यिलया

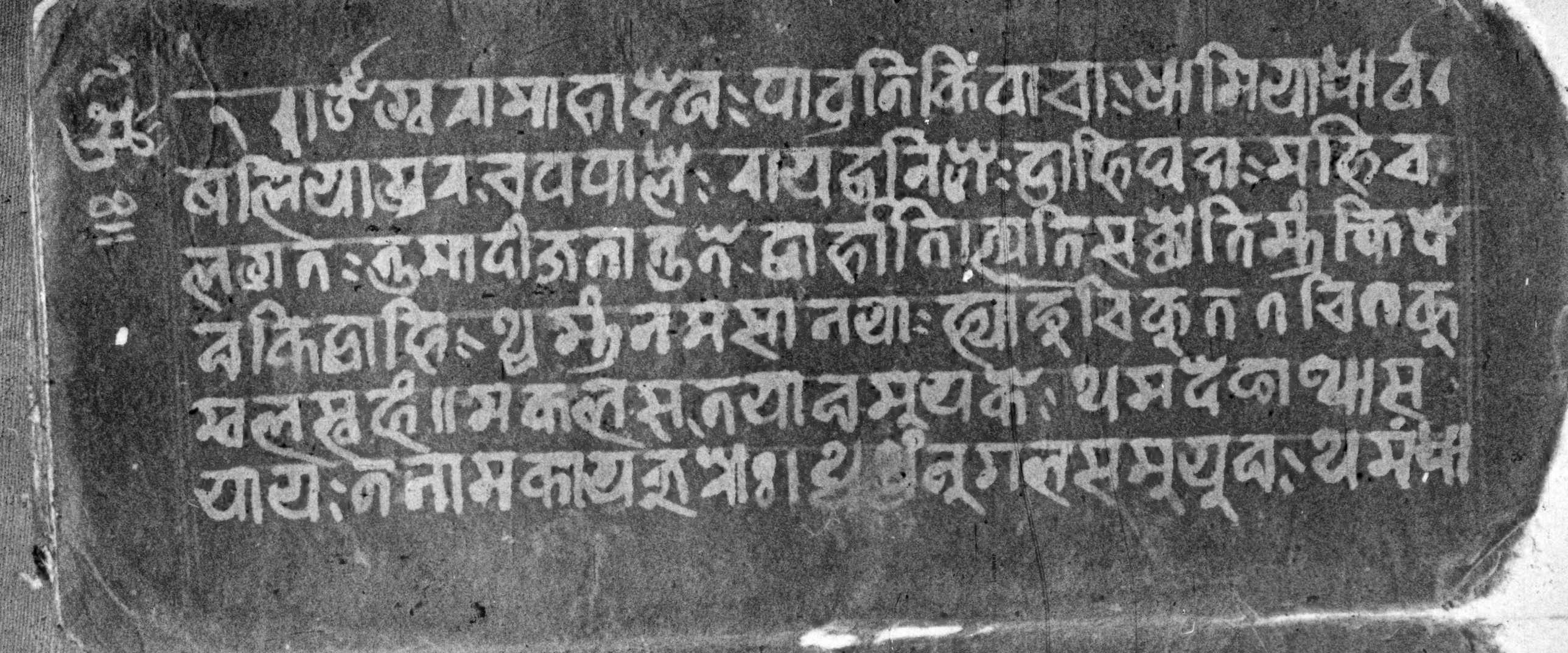

अथ दधियुक्तः [illegible] नि[illegible]
गुञ्जाकल्कालिप्तसानर्घवागिनिकाव्रतिकमूत्र
[illegible] लेपवल्लिसिद्धजलेपनं
नालजालयविल्लविगंधवाचमाक्षिनूत्रखाक
लोमलि[illegible]लिकाकिं[illegible]मिसक्षतया नयवासल
[illegible]यलक्कमूकपूलवविलाथ[illegible]यसमालक्षादशतम

दिलिः वाल्यः सुवंशा वा ७ निरागनः खदविनः भाव
सदुथलाल नयः मिसाला वयाथ्रुँवा ७ ॥ यायया नः
वासलः खयल कपुलः कस्तुरः यलाः थ्रुँ यायया नवास
लः मिसाला वयाथ्रुँवा ८ ॥ गवदया वासलथ कक्षा वा
ःछिलः जिलः मचरः विवि मसयागवःलाःलाग्रुँवा
ःछुनसाः हगलया लंबनः वासलनय वृक्ष न

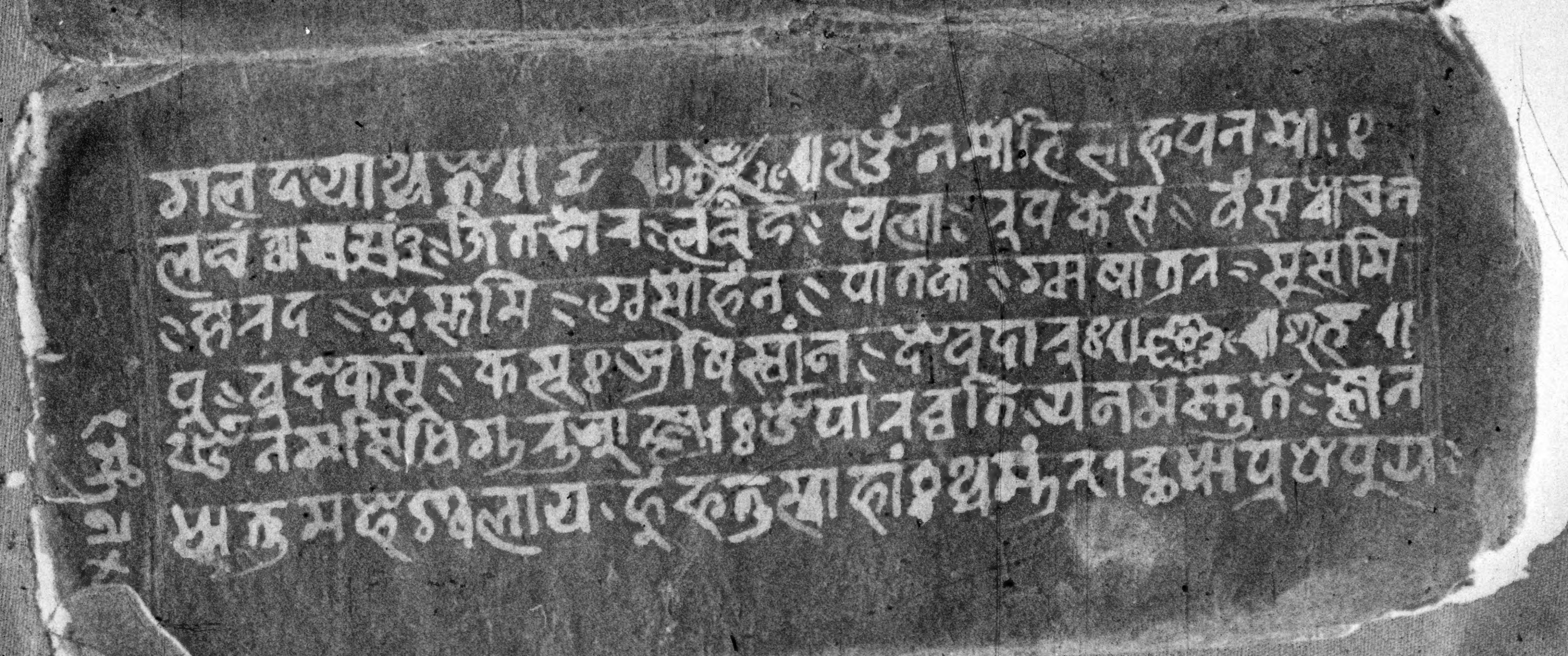

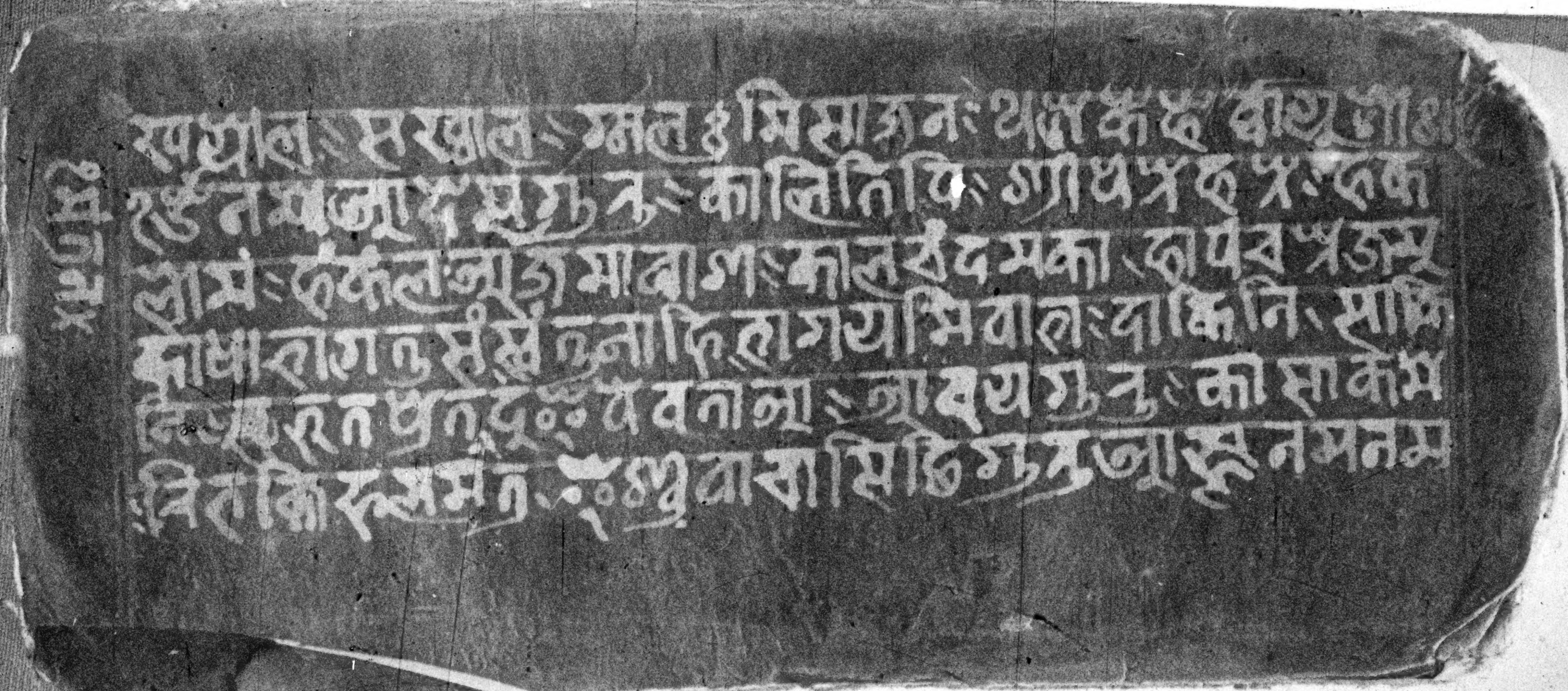

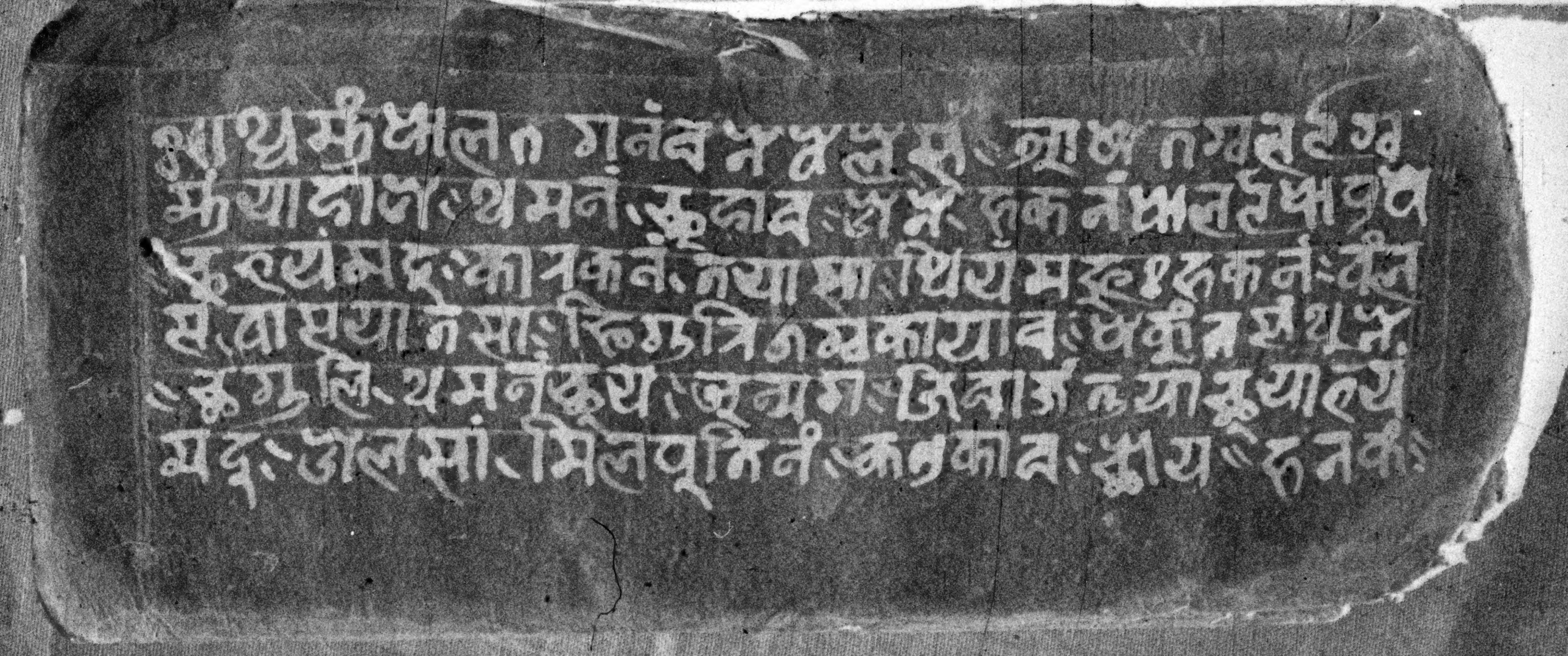

अथ याद्दाधलदृष्टिप्रश्नसिकथिः ग्लाताथक्लथ नं
दथ्सलाकक्षयः स्फ्रगायः स्तांतपूर्यः ॐह्रं संज्ञक आ
यः४अ दसक्कक्रमालः मावःवलादधृद्धाः वदनिश्च-
मालः गौडगुरुजात्मानमस्कृतेथा ७ ॥ ॐनमो
ॐनमोगौगुरुजात्मने॥पिथाःक्षयमाःवामलंक्रियत-
ः जाकिःलवंदःकिंकालःजेवृःथाःश्रीमदवीरवनय०

ॐ नमो अरिहंताणं नमो सिद्धाणं नमो आयरियाणं नमो उवज्झायाणं नमो लोए सव्वसाहूणं
एसो पंच नमुक्कारो सव्वपावप्पणासणो मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं
ॐ नमो अरिहंताणं नमो सिद्धाणं नमो आयरियाणं नमो उवज्झायाणं नमो लोए सव्वसाहूणं
एसो पंच नमुक्कारो सव्वपावप्पणासणो मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं

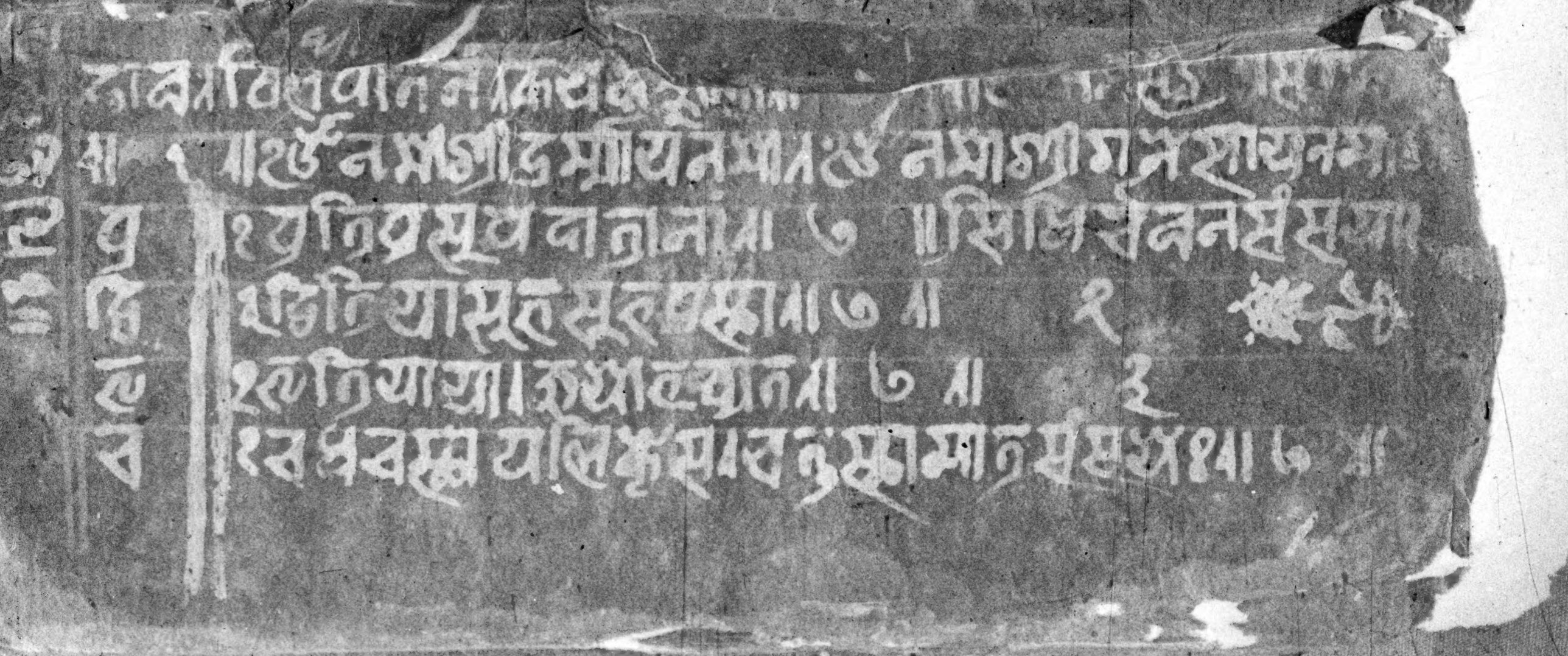

व १ यंरूपां वसिष्ठलिखितां ७ मा ९
श १ शरूपां काश्यपविनासनंतिमा ७ मा ८
ष १ षवनस्यां निश्चधनलालयश्चा ७ मा ७
ज १ जूरूपां सूक्ष्मकल्पा ७ मा ६
न १ नवमीयां मृत्युसंज्ञं मृत्यु[illegible]यंकल्पावर्तना
द १ दसूमियां रसिलालयमूलां ७ मा ६

ॐ नमो मञ्जुलश्रीकुमारभूताय सत्यनामसंगीतिं गास्यामि
आदितिलादेवीजाठजाद्रसयनतुकस्मादाद्रुनेजालनथु
निजानियातुनसाञ्जिलादेवियिजाजमियातुनसाधन
यादेवियिजास्वजामिनातुनसानगलसअभिनासकथियाः
नियातुनसादयसाकाथियजायाक्रासतुनसाग्लानलाक्षिय
जायदनतुनसालालयोयुचिनयकथियजाथमनेतुनसाम्रुवे

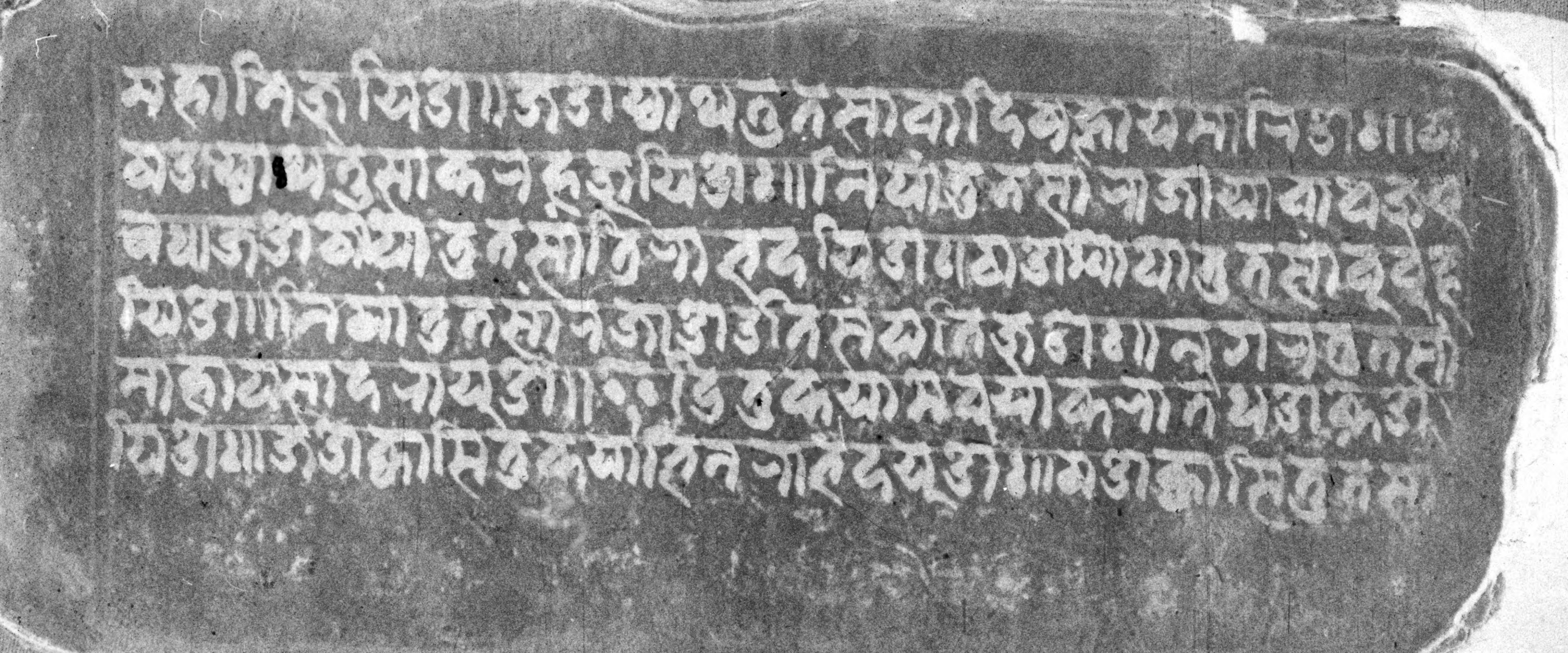

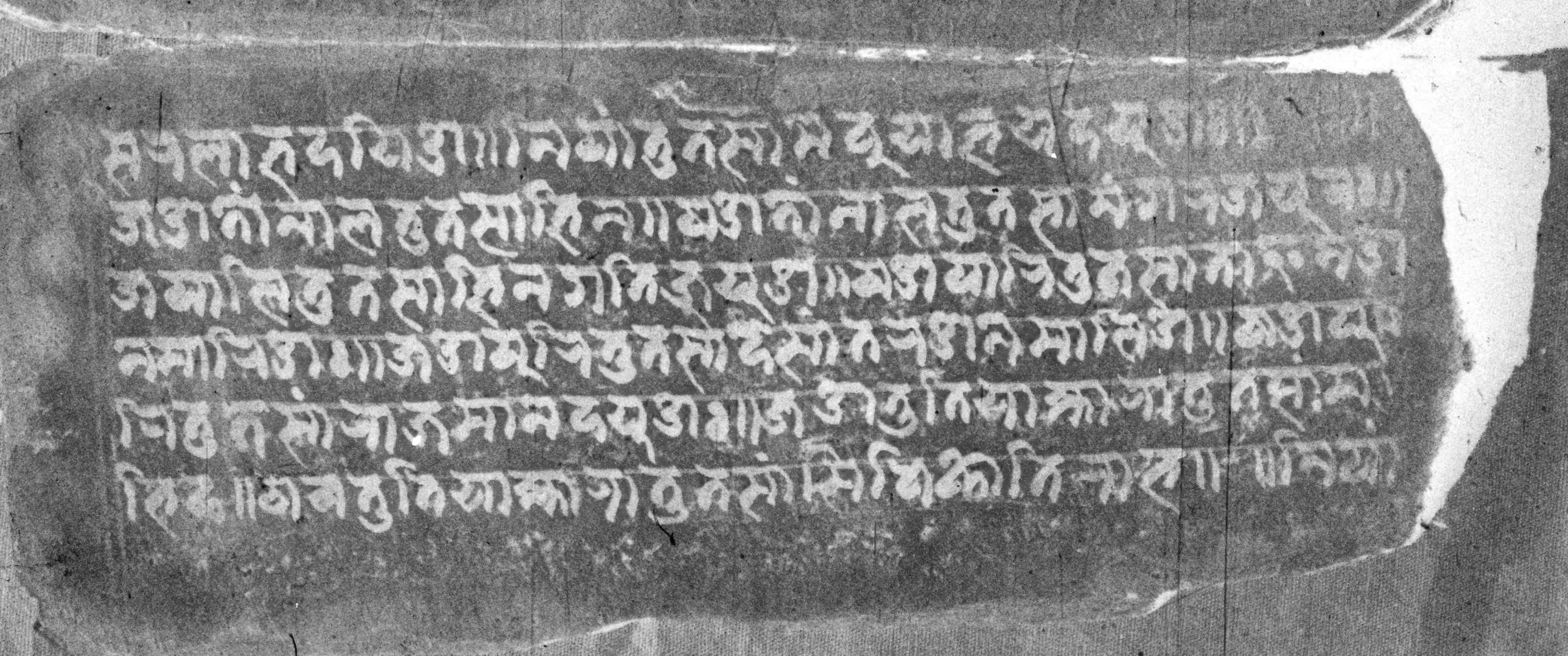

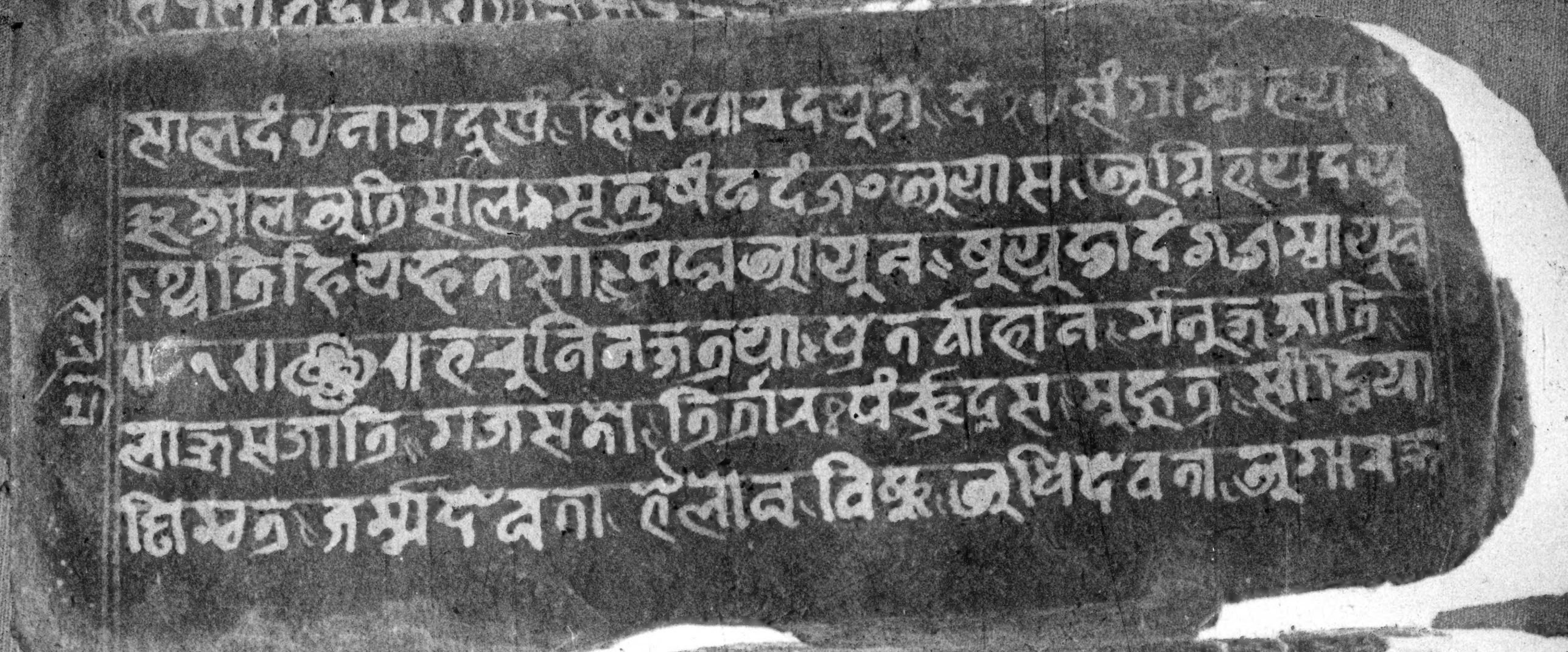

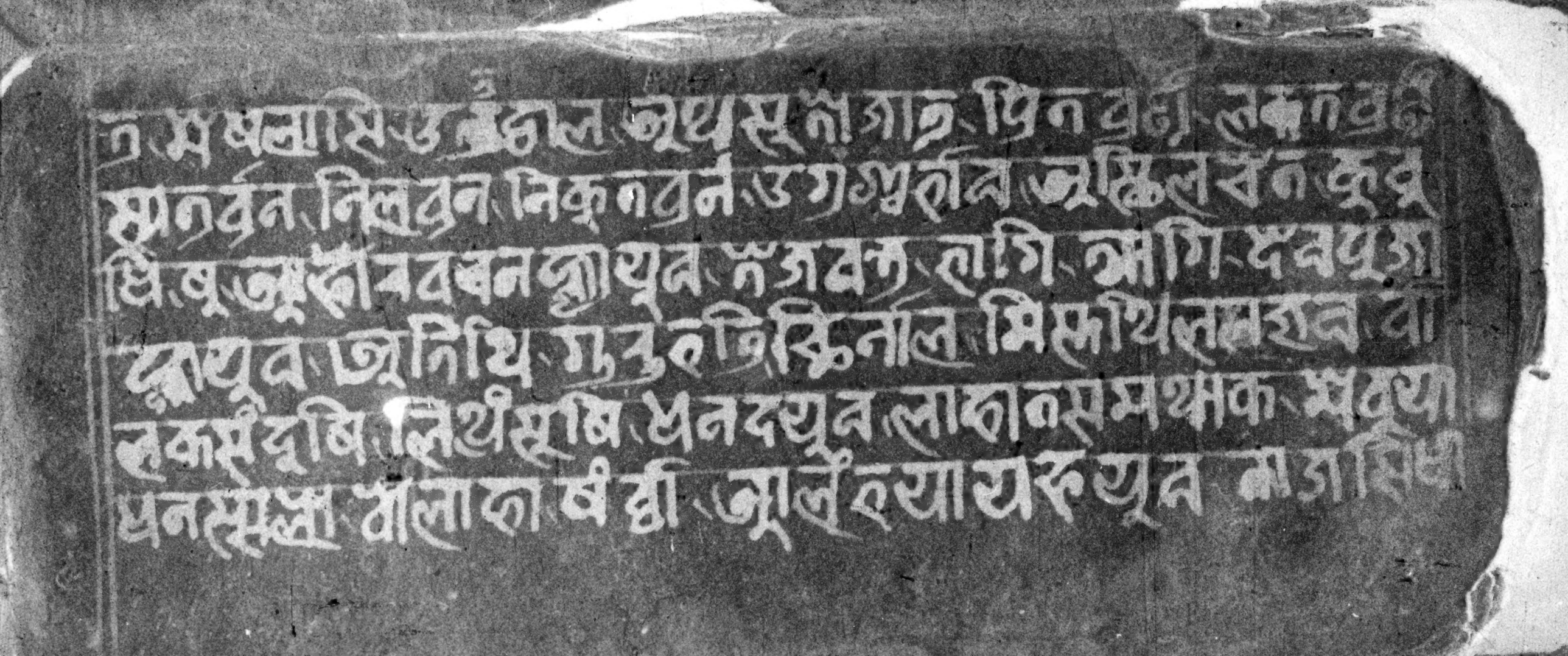

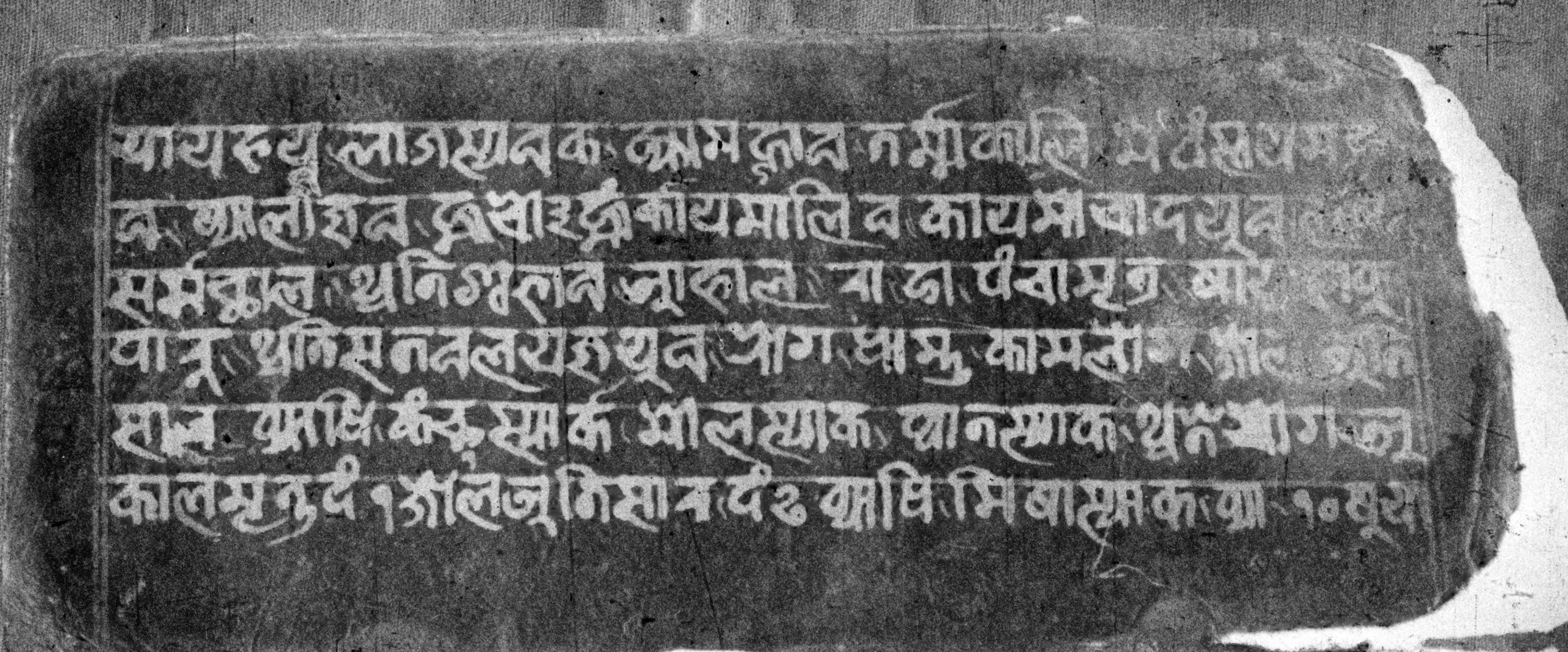

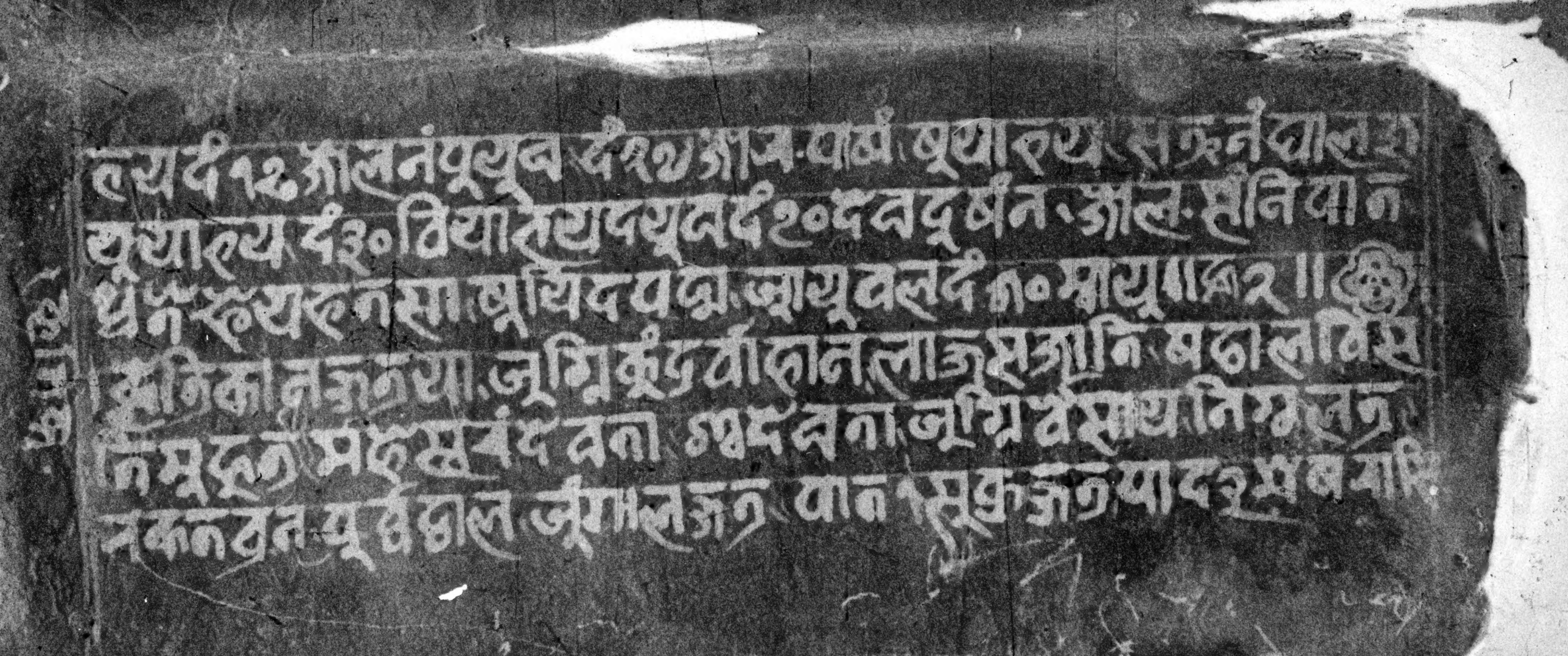

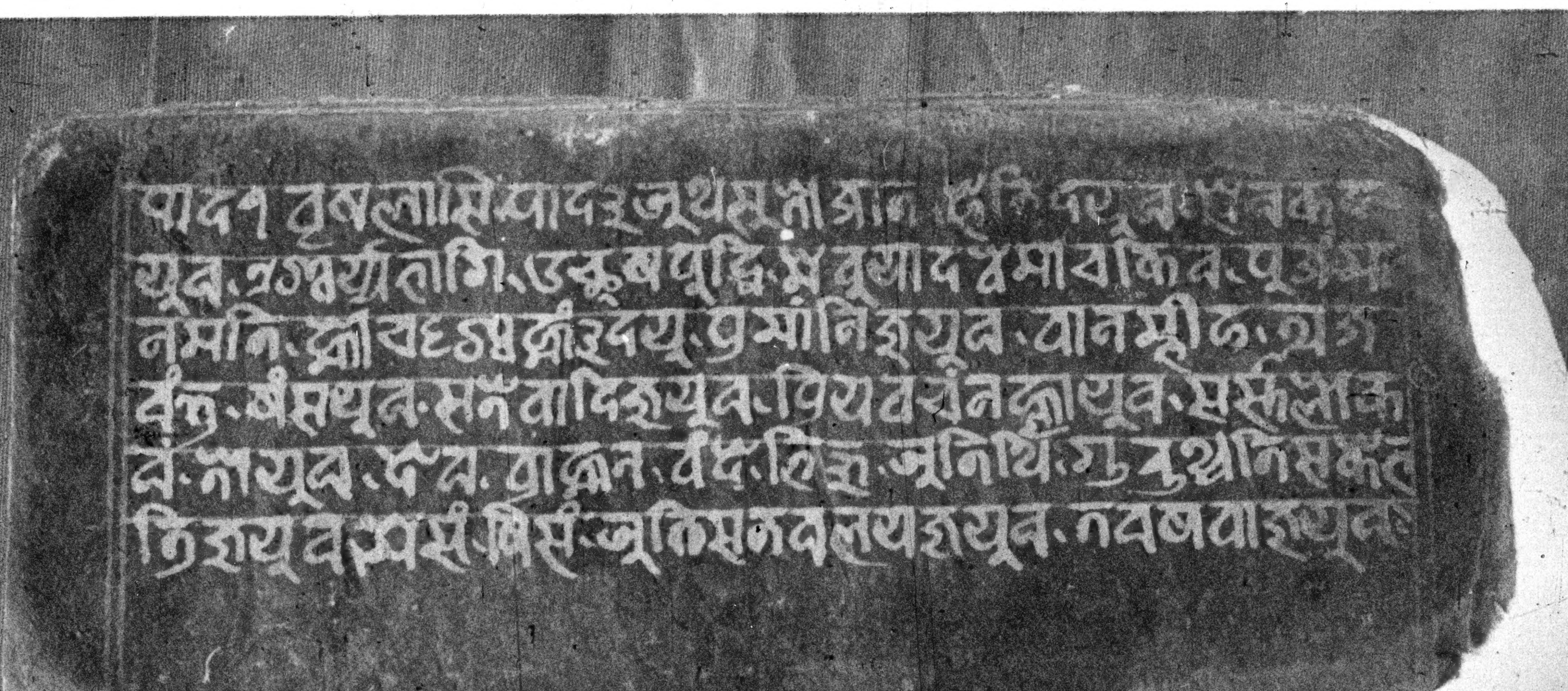

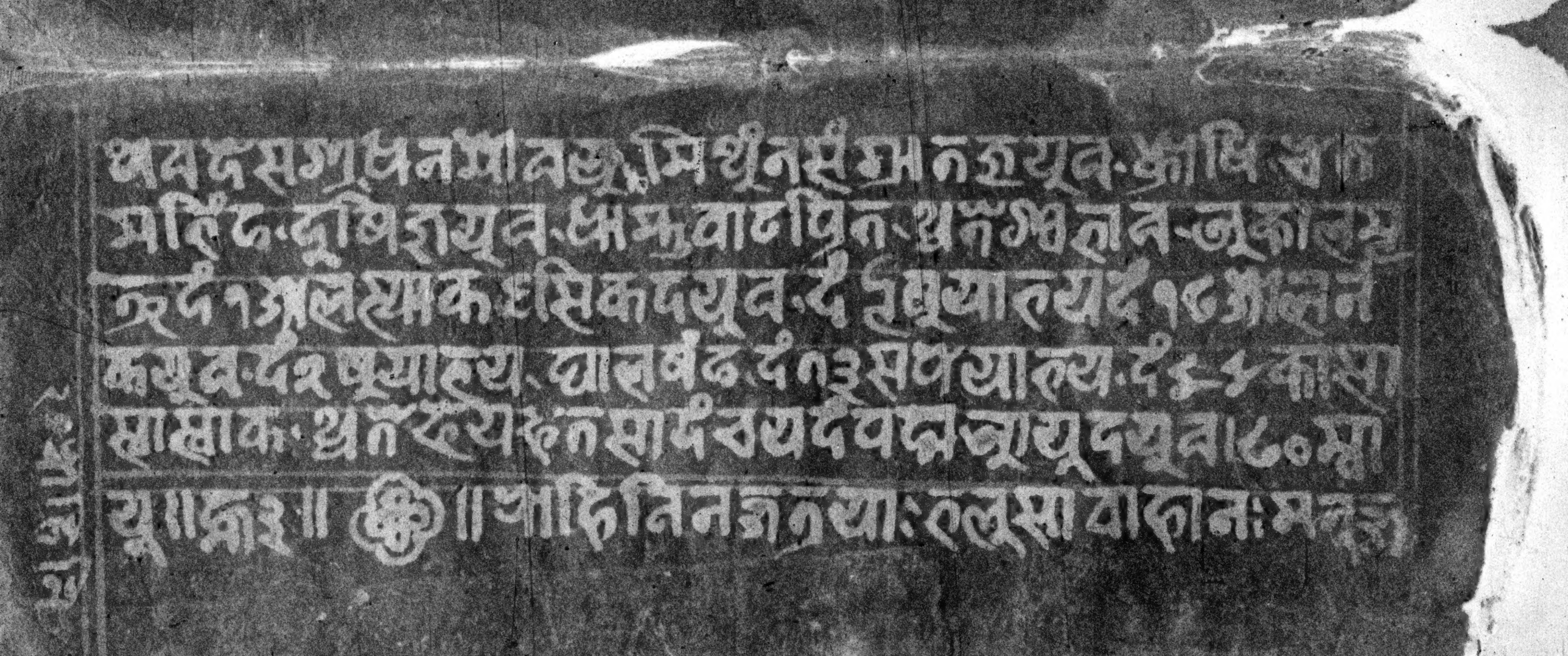

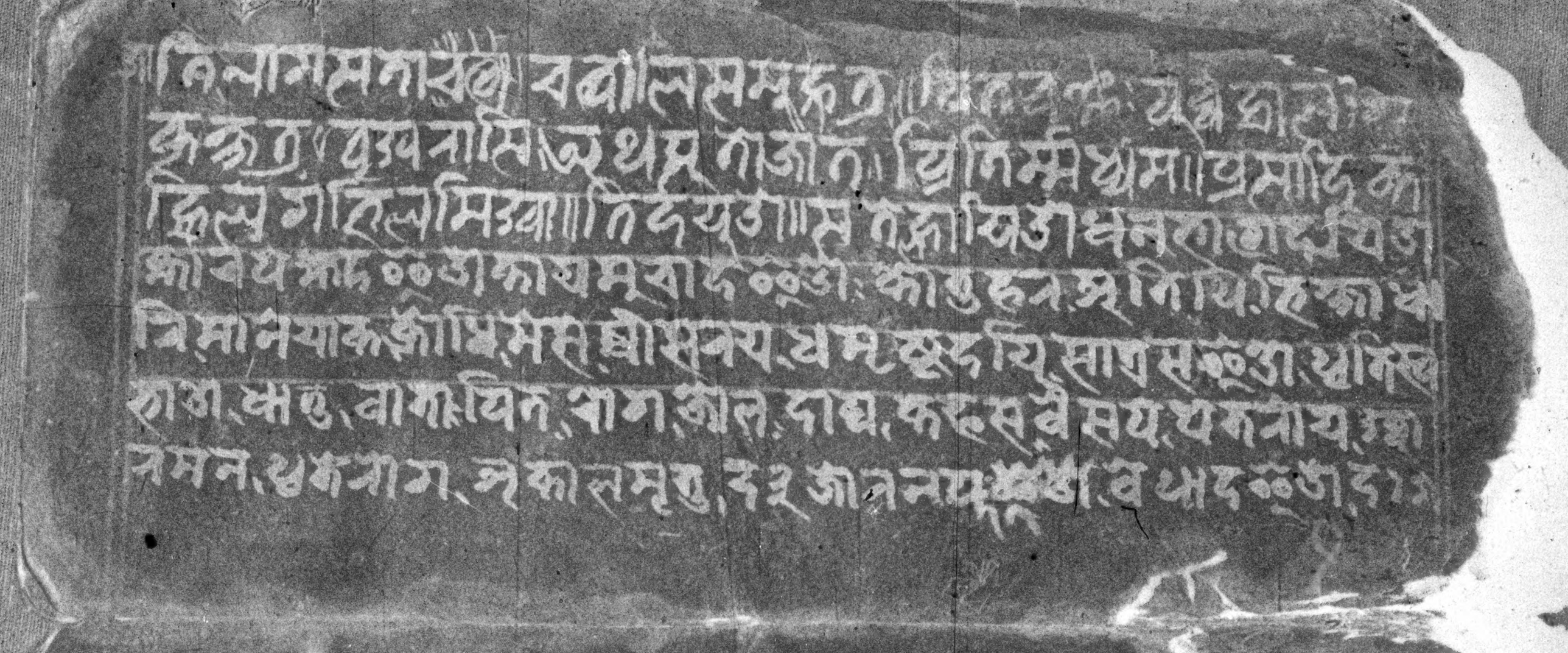

यूयं मिलित्वास्माकं गं सुखयत हिवेयालक्रजा धार्हियद
सादयं मेज्यं ब्रुवनं कृगाल्ल ॐ ॥ जानन्नुग्या विवास
नाचाकसजाजि ज्ञानसख पेयावलानि समहत्र खदवगा यूयव
गा वासिज्रयुग युवेजय स्तुवन्ध्रु वधक्रुत मियनलासि ऋथस
गाजावा उसाधिक ओ हिरंजगोग खसयूयासयू वृधिजोग्र ठ
सकाधि भवलयमरू कृविक भवन्यावयथोक ऋचासि धायस्य
स्त्रियं धायथयुव आधिवचन खवा ऋमानमरावा चर्षक सवक

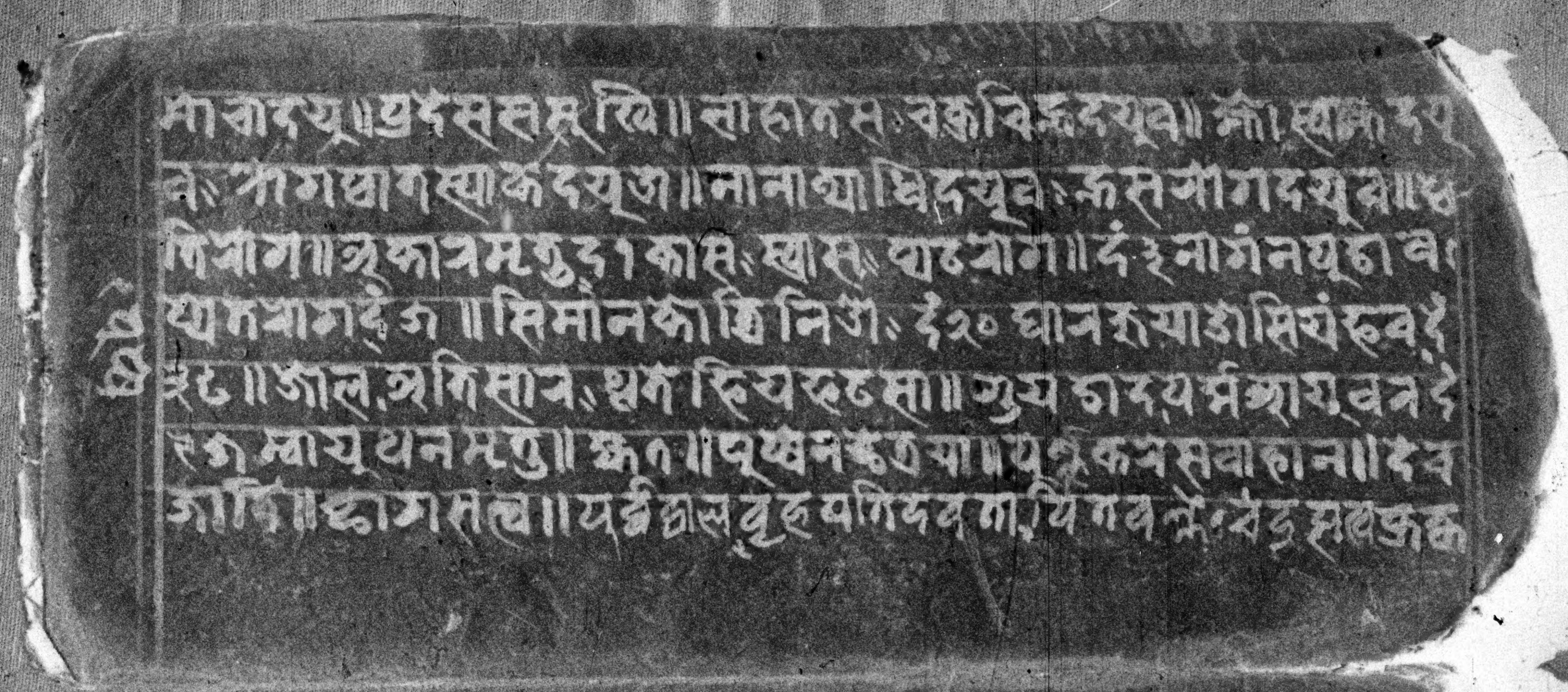

थाक्षियदवाता वर्ष ७० म्याय्॥मथनक्रयाम तवानाचाग्न
जाताक्षसगायक्रेश्॥त्रिवक्रे॥विसर्गिमक्रय॥त्रिवाव
गा॥पियुवाय निगुय॥त्यगवक्रे॥निवक्रे॥अथवा सा
मेवक्रे॥दक्षियाव आदिमक्रय॥अथसगीजाक॥प्रसादि
क्रजिवाद्रुकिदयि॥सवनीयक्रय॥वववंगमवनाय
गाक्षियु॥क्रावथववसवय॥क्रत्रिगामुयाव॥आयजाक्र
क्रयुजा वानवसक्रथि॥क्रा क्रोकर्म्मा॥नाजसयवक्रय

स्वाय॥ ॐ १०॥ वृषभं वसुनिनं स्वयं॥ गाहसुजानमनुयजा
मि॥ सिंहसखं हिजनमिंसमहसं शुभसथगं दक्षिनवामं॥ अभि
जजनं सिंहमिवासथं सनजागं हमिमयं॥ आवविवासमिव॥
सनहि निजं धुनमयुवं॥ कजंघसं ध्वजं दशायुजा हरी
वा समसं विसं थानसं शमलसं॥ हिगुनयकयदं हिं
मानं॥ शावनि मदयुजं॥ कायस्वावदयुजं॥ कानं हिं थनवार

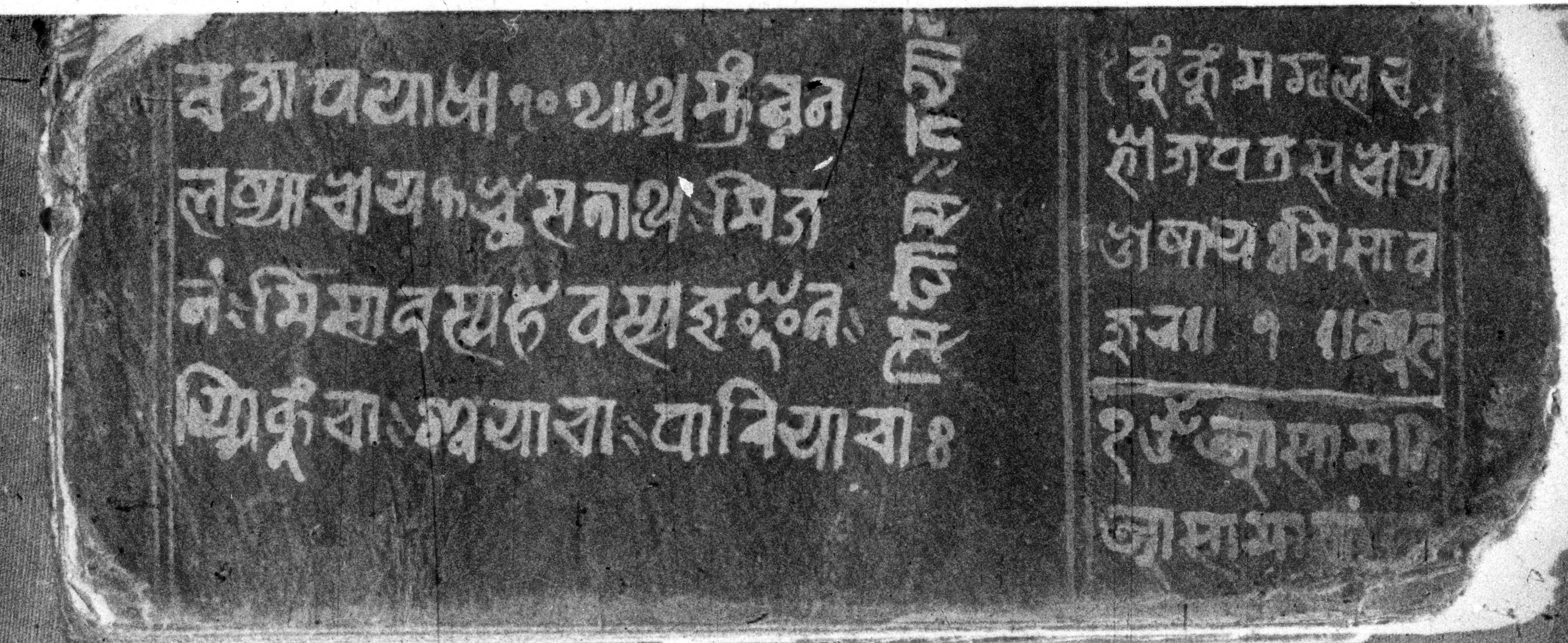

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूँ स्त्रीं
पुरुषाकर्षिणि साधय साधय
धनं देहि देहि वशमानय
स्वाहा

१०	७	२०	१
१३	१५	३	८
५	२	११	८
१२	११	७	६
ना	भ	श्री	य